ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 8

पाठ 1: जीवन का झरना

1. **रचनात्मक कोना: पहेली–** खानों में छूटे वर्ण भरकर ऐसे शब्द बनाइए जिनका प्रयोग कविता में हुआ हो – **(पेज 8)**
2. आरसी प्रसाद सिंह की कोई अन्य कविता याद कर कक्षा में सुनाइए। **(पेज 8)**

पाठ 2: नेकी बनी बदी

1. **रचनात्मक कोना: पहेली –** खानों में छूटे वर्ण भरकर ऐसे शब्द बनाइए जिनका प्रयोग पाठ में हुआ हो – **(पेज 16)**
2. ज़िंदगी में आगे बढ़ने के लिए अपना सत्कर्म करना ज़रूरी है या चापलूसी करना। गरीब के चरित्र के संदर्भ में कक्षा में चर्चा कीजिए। **(पेज 16)**
3. लेखक ने गरीब को जो तरीका बतलाया क्या वह सही था? अगर तुम लेखक की जगह होते तो उसे कौन-सा तरीका बतलाते? **(पेज 16)**
4. 'समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार' – इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए। **(पेज 16)**

पाठ 3: तृणभारत

1. **रचनात्मक कोना:** पुराने ज़माने में किलोग्राम की जगह मात्रा मापने की इकाई सेर होती थी। पाँच सेर को एक धड़ी और चालीस सेर को एक मन कहा जाता था। इसी प्रकार लंबाई मापने की पुरानी इकाइयों के बारे में पता करो। यह भी पता करो कि उनमें आपस में क्या संबंध होता है। **(पेज 23)**
2. छोटे-से तिनके ने इतना नरसंहार करा दिया। तुम्हारे विचार से गलती किसकी थी? कक्षा में इस विषय पर चर्चा कीजिए। **(पेज 23)**
3. नीचे एक कविता दी गई है। इसका अर्थ लिखिए। साथ ही, अभिनयसहित इस कविता का वाचन भी कीजिए –

   निकल पड़े बंजारे।

   बहती हुई नदी की धारा-सा इनका जीवन है,

   सभी पेड़ इनके घर की छत, सब दुनिया आँगन है,

   जहाँ हो गई रात सो गए, उठकर चले सकारे,

   निकल पड़े बंजारे।

   सर्दी इनको अकराती, वर्षा इन्हें सताती,

   गर्मी की दोपहरी इनके तन को है झुलसाती,

   गाँव-गाँव और गली-गली में फिरते मारे-मारे,

   निकल पड़े बंजारे। **(पेज 23)**

पाठ 4: सभ्य बनने की सनक

1. **रचनात्मक कोना:** कुछ पुस्तकें जनमानस पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं। ऐसी ही कुछ पुस्तकों और उनके लेखकों के नाम दिए गए हैं। पुस्तकों के नामों का मिलान लेखकों के नाम से कीजिए –**(पेज 29)**

2. गांधी जी अपने खर्च का पूरा-पूरा हिसाब लिखकर रखते थे। कुछ लोग अपने दिन भर के क्रियाकलापों के बारे में डायरी लिखा करते हैं। तुम भी एक सप्ताह के क्रियाकलापों का वर्णन करते हुए तिथिवार डायरी लिखिए और अपने अभिभावक को दिखाइए। **(पेज 29)**

3. 'शाकाहारी भोजन बनाम मांसाहारी भोजन' – इस विषय पर कक्षा में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित कीजिए। **(पेज 29)**

4. मान लो कि तुम पढ़ने के लिए अपने शहर से दूर चले गए हो। वहाँ के रहन-सहन के बारे में बताते हुए अपने माता-पिता को एक पत्र लिखिए। **(पेज 29)**

पाठ 5: नए टापू की खोज

1. **रचनात्मक कोना:** अंडमान-निकोबार द्वीप समूह हिंद महासागर में स्थित है। इस महासागर के कुछ अन्य द्वीपों के नाम नीचे दिए गए हैं। रेखा खींचकर मिलान कीजिए और बताइए कि इन द्वीपों का संबंध किन देशों से है – **(पेज 37)**

2. कौन-सा वैज्ञानिक कारण है कि नाव पानी के ऊपर तैरती है लेकिन लोहे की कील डूब जाती है? इस बारे में जानकारी जुटाइए। **(पेज 37)**

पाठ 7: प्राणी वही प्राणी है

1. **रचनात्मक कोना:** अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कविता 'कर्मवीर' पढ़िए और उसमें जिन-जिन गुणों का वर्णन किया गया है, उनकी सूची बनाइए। **(पेज 44)**

2. रहीम के निम्नलिखित दोहे में पानी के अलग-अलग अर्थ बताए गए हैं। अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से उन अर्थों का पता कीजिए।

   रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून ।

   पानी गए न ऊबरै, मोती मानस चून ।। **(पेज 44)**

पाठ 8: हींगवाला

1. **रचनात्मक कोना:** पहेली – नीचे दी गई शब्द-सीढ़ी में मसालों के नामों के कुछ वर्ण छूट गए हैं। छूटे वर्णों को भरकर मसालों के नाम पूरे कीजिए – **(पेज 52)**

2. कहानी के अंत में बच्चे खान पर भरोसा करने लग जाते हैं। कल्पना करो कि इस घटना के एक सप्ताह बाद खान हींग बेचने के लिए सावित्री के यहाँ आता है। तब बच्चों ने उसके साथ किस प्रकार से बातचीत की होगी? वार्तालाप के रूप में लिखिए। **(पेज 52)**

3. 'एक था फेरीवाला। वह रोज़ दिन में . . .' – इसके आगे की कहानी बनाकर कक्षा में सुनाइए। **(पेज 52)**

पाठ 9: कलिंग विजय

1. **रचनात्मक कोना:** इन राज्यों/शहरों के नाम अब बदल गए हैं। नए नामों से इनका मिलान कीजिए– **(पेज 62)**

2. बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में सम्राट अशोक की क्या भूमिका रही थी? इस बारे में अध्यापक/अध्यापिका से जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 62)**

3. इस नाटक को कक्षा में खेलिए। संवाद अपनी तरफ़ से भी जोड़े जा सकते हैं। **(पेज 62)**

पाठ 10: शमशाद बेगम

1. **रचनात्मक कोना:** फ़िल्मों से जुड़े इन कामों को अंज़ाम देने वालों को क्या कहा जाता है? **(पेज 67)**
2. शमशाद बेगम ने जिन फ़िल्मों में गाने गाए उनमें से कुछ फ़िल्मों का उल्लेख इस पाठ में आया है। उन फ़िल्मों के नायक-नायिकाओं के नाम पता कीजिए। **(पेज 67)**
3. आजकल टेलीविज़न पर नृत्य एवं संगीत से जुड़े प्रतियोगी कार्यक्रमों की बाढ़-सी आ गई है। इन कार्यक्रमों की उपयोगिता से संबंधित वाद-विवाद प्रतियोगिता का कक्षा में आयोजन कीजिए। **(पेज 67)**

पाठ 11: एकाग्रता का महत्व

1. **रचनात्मक कोना:** नेपोलियन ने कहा था, "असंभव शब्द मूर्खों के शब्दकोश में पाया जाता है।" क्या तुम इस कथन से सहमत हो? कक्षा में कारणसहित चर्चा कीजिए। **(पेज 73)**
2. अपने छोटे भाई को एकाग्रता का महत्व समझाते हुए पत्र लिखिए। **(पेज 73)**

पाठ 13: सच्ची मित्रता

1. **रचनात्मक कोना:** नीचे कुछ रचनाकारों के नाम दिए गए हैं। उनके सामने उनकी रचना के नाम के वर्ण उलट-पलट गए हैं। उन्हें ठीक करके लिखिए – **(पेज 82)**
2. तुलसीदास के जीवन से जुड़ी किसी घटना के बारे में जानकारी प्राप्त कर कक्षा में सुनाइए। **(पेज 82)**
3. भगवान कृष्ण और सुदामा की मित्रता से जुड़े कई प्रसंग हैं जो हमें प्रेरित करते हैं। उनमें से किसी एक प्रसंग के बारे में पता करके कक्षा में सुनाइए। **(पेज 82)**
4. 'मेरा प्रिय मित्र' – इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 82)**

पाठ 14: अपराजिका

1. **रचनात्मक कोना:** 'पोलियो उन्मूलन अभियान' – इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 90)**
2. भारत की अरुणिमा सिन्हा एक हादसे का शिकार हो गई थी जिसमें उसे अपनी एक टाँग गँवानी पड़ी थी। उसने अदम्य साहस दिखलाया और मई 2013 में विश्व की सबसे ऊँची पर्वत-चोटी, एवरेस्ट पर चढ़ने का कमाल कर दिखाया। इस युवती के संबंध में समाचारपत्रों, पत्रिकाओं या इंटरनेट से जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 90)**
3. नीचे एक कविता की चार पंक्तियाँ दी गई हैं। इसके आगे की चार-छह पंक्तियाँ बनाकर कक्षा में लयसहित सुनाइए –

   हौसलों की उड़ान हो,

   मन में न थकान हो,

   आगे बढ़ो मीत रे,

   जग को लो जीत रे। **(पेज 90)**

पाठ 15: होटल मार्स का रहस्य

1. **रचनात्मक कोना:** नीचे दिए गए कॉलमों का मिलान कीजिए –

(क) सूर्य से सबसे दूर का ग्रह	सप्तर्षि
(ख) सूर्य से सबसे नज़दीक का ग्रह	बृहस्पति
(ग) पृथ्वी से सबसे नज़दीक का ग्रह	चंद्रमा

(घ) सबसे बड़ा ग्रह — बुध

(ङ) एक प्रकार का नक्षत्र — शुक्र

(च) पृथ्वी का उपग्रह — वरुण **(पेज 98)**

2. तुमने सुना होगा 'फ़ाइव स्टार होटल', 'टू स्टार होटल' आदि। इन होटलों के साथ 'स्टार' शब्द कब जुड़ता है और क्यों? इससे संबंधित जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 98)**

3. कहानी के अंत में वीनू ने जिस प्रकार घटना का वर्णन किया होगा, उसे अपने शब्दों में लिखिए। **(पेज 98)**

4. मंगल ग्रह से संबंधित अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 98)**

पाठ 16: गूँज उठी शहनाई

1. **रचनात्मक कोना: पहेली –** नीचे दिए गए शब्द-जाल में दस प्रकार के वाद्य-यंत्रों के नाम छिपे हैं। उन्हें ढूँढ़कर गोले लगाइए – **(पेज 106)**

2. कुछ महान संगीतकारों के चित्र एकत्रित कीजिए और एलबम बनाइए। चित्रों के साथ उनकी संक्षिप्त जीवनी भी लिखिए। **(पेज 106)**

3. पाठ में वर्णन है कि लता जी ने बिस्मिल्ला खाँ को बधाई दी थी। अपनी कल्पना से उन दोनों के बीच हुई बातचीत को वार्तालाप के रूप में प्रस्तुत कीजिए। **(पेज 106)**

पाठ 17: शाप-मुक्ति

1. **रचनात्मक कोना: पहेली –** दी गई शब्द-सीढ़ी में पाठ में आए शब्द दिए गए हैं लेकिन उनके कुछ वर्ण छूट गए हैं। छूटे वर्णों को भरिए – **(पेज 115)**

2. क्या तुमने बचपन में कोई ऐसी शरारत की है जिसका पश्चात्ताप तुम्हें बाद में हुआ हो। यदि हाँ, तो उससे जुड़ी घटना कक्षा में सुनाइए। **(पेज 115)**

पाठ 19: वही मनुष्य है

1. **रचनात्मक कोना:** अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना 'नर हो न निराश करो मन को' पढ़िए। **(पेज 122)**

2. 'ईश्वर एक हैं।' – इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए। **(पेज 122)**

3. क्या तुमने भी कभी किसी ज़रूरतमंद की सहायता की है? यदि हाँ तो कब और किस प्रकार? कक्षा में अन्य बच्चों को बताइए। **(पेज 122)**

पाठ 20: उपहार

1. **रचनात्मक कोना:** पहेली – कारवास्की मधुमेह की बीमारी से ग्रस्त था। नीचे दिए गए शब्द-जाल में आठ प्रकार की बीमारियों के नाम ढूँढ़िए – **(पेज 130)**

2. तुम्हें बाज़ार में एक बटुआ पड़ा मिला। उस बटुए में दस हज़ार रुपये और पहचान पत्र रखे हैं। ऐसी स्थिति में तुम क्या करोगे, कक्षा में बताइए। **(पेज 130)**

पाठ 21: अनुभव से सीख

1. **रचनात्मक कोना:** कंप्यूटर की दुनिया से जुड़े इन व्यक्तियों के नाम और इनकी उपलब्धियों का मिलान कीजिए – **(पेज 137)**

2. 'इनफ़ोसिस' की शुरुआत करने में नारायण मूर्ति की पत्नी का भी बहुत बड़ा योगदान था। उनके बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 137)**

3. कई बार ऐसी स्थिति बन जाती है जब कोई व्यक्ति किसी गलतफ़हमी का शिकार हो जाता है, जैसा कि नारायण मूर्ति के साथ बुल्गारिया में हुआ। कल्पना करो कि ऐसी ही कोई घटना तुम्हारे साथ घटी है। उस घटना से जुड़े संस्मरण अपने शब्दों में लिखिए। **(पेज 137)**

पाठ 22: भविष्य का भय

1. **रचनात्मक कोना: पहेली** – संकेत के आधार पर वर्ग-पहेली में छूटे वर्ण भरिए – **(पेज 149)**

2. ईश्वरचंद्र विद्यासागर की जीवनी पढ़िए। **(पेज 149)**

3. मान लीजिए, तुम्हारे विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय बालवर्ष मनाया जाने वाला है। इससे संबंधित एक सूचना तैयार कीजिए जिसे सूचनापट्ट पर लगाया जा सके। **(पेज 149)**

पाठ 23: भारत-दर्शन

1. **रचनात्मक कोना:** 'भारतवर्ष 'विविधता में एकता' वाला देश है।'–इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए। **(पेज 156)**

2. असम के लोगों के रहन-सहन, खान-पान, संस्कृति आदि से संबंधित परियोजना तैयार कीजिए। **(पेज 156)**

3. मान लो, तुम्हारा मित्र तुम्हारे शहर में आना चाहता है। तुम उसे अपने शहर और उसके आस-पास की किन-किन जगहों पर घुमाना चाहोगे? इस आशय का एक पत्र लिखिए। **(पेज 156)**

ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 8

शिक्षक संदर्शिका

पाठ 1: जीवन का झरना

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से कविता का सस्वर वाचन करवाएँ। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। बच्चों को कविता का मूल भाव समझाएँ। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें। कविता की पंक्तियों में छिपा भावार्थ स्पष्ट करें।

यह जीवन ..... गाता है। – इन पंक्तियों में कवि मानव जीवन की तुलना बहते हुए झरने से करते हुए कहते हैं कि यह जीवन एक झरने की तरह है जो निरंतर बहता ही रहता है। जिस प्रकार झरने के दो किनारे होते हैं, उसी प्रकार सुख-दुख जीवन रूपी झरने के दो किनारे हैं। झरना पर्वत से निकलने के बाद, बहकर घाटी में आता है और मैदानों की ओर बहता चला जाता है अर्थात् यह एक निश्चित दिशा में बहता है, उसी प्रकार यह जीवन भी नहीं रुकता। मनुष्य के जीवन में चाहे कितने ही सुख-दुख आएँ यह समय के साथ आगे बढ़ता ही जाता है।

बाधा के रोड़ों ..... ही जाता है। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि जिस प्रकार झरना चट्टानों को काटता हुआ और पत्थरों से टकराता हुआ आगे की ओर बढ़ता ही जाता है, उसी प्रकार मनुष्य का जीवन संघर्षमय होता है। उसे पल-पल नई चुनौतियों का सामना करना होता है। जीवन में बहुत सी बाधाएँ और उतार-चढ़ाव आते हैं लेकिन जो व्यक्ति इन बाधाओं को पार कर लेता है वही सफल होता है किंतु वह व्यक्ति जो बाधाओं से होने वाले कष्टों से घबराकर उनसे दूर भागता है वह उस नाविक की तरह पछताता है जो लहरों से डरकर सागर में नहीं उतरता और किनारे पर ही रह जाता है अर्थात् वह व्यक्ति जीवन में पीछे रह जाता है।

निर्झर में गति ..... कहता है। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि झरने का बहना ही उसका जीवन है। अगर झरना नहीं बहेगा तो वह एक जगह ही रुक कर सड़ने लगेगा और एक दिन उसका जल सूख जाएगा। इस प्रकार उसका अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। मनुष्य जीवन भी इसी प्रकार आगे बढ़ते जाने का नाम है। यदि मनुष्य अपने कटु अनुभवों को याद करके दुखी होता रहेगा तो उसका जीवन भी निराशा में डूब जाएगा और वह अपने जीवन को नई दिशा नहीं दे पाएगा। इसलिए हमें पुराने निराशाजनक दिनों को भुलाकर तथा आने वाले कल की व्यर्थ चिंता न करके सदैव आगे बढ़ते रहने का उद्यम करना चाहिए।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- प्रकृति हमें कई रूपों में कुछ न कुछ संदेश देती रहती है। जब वर्षा समय पर होती है, चारों ओर हरियाली नज़र आती है, तब तो हम तुरंत समझ जाते हैं कि प्रकृति खुश है। पर अत्यधिक वर्षा होने या बिलकुल वर्षा न होने पर हम क्यों नहीं समझ पाते कि प्रकृति हमसे नाराज़ है। हमारे द्वारा प्रकृति के अंधाधुंध दोहन के कारण वह हम पर क्रोधित है! तुम क्या समझते हो तथा इससे कहाँ तक सहमत हो?
- जीवन आगे बढ़ने का नाम है, पीछे मुड़कर देखने का नहीं। पर क्या वाकई में हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए? यदि हाँ, तो वे कौन-से खट्टे-मीठे अनुभव हैं जो तुम्हें पीछे मुड़कर दिखाई देते हैं। और यदि नहीं, तो क्यों?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

पाठ 2: नेकी बनी बदी

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें तथा पाठ को अंशों में बाँटकर बच्चों से मुखर वाचन करवाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण बिंदुओं तथा गद्यांशों का भाव स्पष्ट करें। बच्चों को मुंशी प्रेमचंद का संक्षिप्त परिचय दें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि उन्हें 'गरीब' का चरित्र कैसा लगा? उसके स्वभाव में आए बदलाव के बारे में उनकी राय जानें।
- बच्चों को यह समझाएँ कि सफलता पाने के लिए अपना कर्म ईमानदारी के साथ करना ज़रूरी है। सफल होने का गलत रास्ता इनसान को पतन के रास्ते ले जाता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 99)**

पाठ 3: तृणभारत

1. **अध्यापन संकेत:** कहानी के संबंध में आंशिक परिचय देते हुए पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों को समझाते हुए, पाठ का मूल भाव बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से बंजारों के जीवन के बारे में चर्चा करें। पूछें, क्या उन्होंने भी बंजारे देखे हैं? उनका पहनावा तथा रहन-सहन कैसा होता है? बंजारे अपना जीवनयापन कैसे करते हैं?
- बच्चों में पशु-प्रेम को विशेष रूप से उभारने का प्रयत्न करें।
- समझाएँ, छोटी-छोटी बातों पर लड़ना-झगड़ना सही नहीं होता। बच्चों को 'एकता का महत्व' के बारे में बताएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 101)**

पाठ 4: सभ्य बनने की सनक

1. **अध्यापन संकेत:** संस्मरण को पढ़ाने से पूर्व गांधी जी के व्यक्तित्व के बारे में बच्चों से बातचीत करें। स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान की चर्चा की जा सकती है। असहयोग आंदोलन, दांडी मार्च आदि का उल्लेख करें। बच्चों से पाठ का वाचन करवाएँ तथा कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- 'सादा जीवन उच्च विचार', 'शाकाहार बनाम मांसाहार' जैसे विषयों पर बच्चों की राय जानें। उन्हें अपने भाव अभिव्यक्त करने का पूरा अवसर दें।
- कुछ पुस्तकों के नाम पाठ में आए हैं उनसे संबंधित जानकारी बच्चों के साथ बाँटें।
- बच्चों के अंदर विद्यार्थी के कर्तव्य एवं संस्कारों का बोध जैसे भाव जगाने का प्रयत्न करें।
- सभ्य बनने के लिए मनुष्य के अंदर कौन-से गुण होने आवश्यक हैं?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 103)**

पाठ 5: नए टापू की खोज

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें तथा उसके बाद बच्चों से करवाएँ। पाठ के एक-एक गद्यांश की व्याख्या करते चलें। भारत में स्थित द्वीपों के बारे में चर्चा करें। पाठ में आए द्वीपों को मानचित्र में देखें। बड़े-बड़े देशों की खोज मानव की खोजी प्रवृत्ति का ही परिणाम है। बच्चों के अंदर रचनात्मकता एवं क्रियाशीलता जैसे गुणों को विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- समुद्र के आस-पास रहने वाले लोगों के जीवन के बारे में चर्चा करें। वहाँ का वातावरण कैसा होता है, आदि।
- समुद्र का पानी पीने लायक नहीं होता, बच्चों को बताएँ।
- बच्चों को बताएँ कि जिस प्रकार कारनिकोबारियों ने नाव बनाई उसी तरह से आदिमानव ने पत्थर की रगड़ से आग की तथा पहिये आदि की खोज की।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 105)**

पाठ 6: खुशी का खज़ाना–हँसी

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 107)**

पाठ 7: प्राणी वही प्राणी है

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर पाठ करें एवं बच्चों से करवाएँ। कविता में छिपे मानवतावादी दृष्टिकोण को उजागर करते चलें। परोपकार की महत्ता उदाहरण देकर समझाएँ। सच्चा मानव बनने के लिए जिन गुणों की आवश्यकता होती है, उनसे बच्चों को अवगत कराएँ। आपसी प्रेम तथा भाईचारा बढ़ाने के लिए भी बच्चों को प्रेरित करें। कविता की पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें –

लहरों के ..... प्राणी है। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि जिस प्रकार नदी के किनारे की ज़मीन पर काई जमी रहती है और बार-बार लहरों के शक्तिशाली थपेड़े खाते-खाते वह काई फटने लग जाती है, उसी प्रकार जो व्यक्ति उस काई की तरह नहीं होता अर्थात् जीवन के सुख-दुख के उतार-चढ़ाव से जो व्यक्ति न घबराए तथा शक्तिशाली के सम्मुख भी जो निडरता से खड़ा रहे, वही सच्चा प्राणी कहलाता है। जो व्यक्ति लालच में पड़कर अपनी ज़बान अर्थात् सच बोलने से तथा अपने कर्तव्यों को निभाने से न डिगे, वही सही अर्थों में सच्चा प्राणी होता है।

माथे को ..... अच्छा है। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि मरना वही श्रेष्ठ कहलाता है, जिसे लोग वर्षों तक याद रखें। जिससे समाज में बदलाव आ सके। जो स्वयं को फूल की भाँति देश पर न्योछावर कर दे, ऐसी वीरगति ही श्रेष्ठ है। जो लाखों को प्रेरित कर जाए, ऐसी मृत्यु ही अच्छी कहलाती है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- कहा जाता है कि किसी की भलाई के लिए बोला गया झूठ सौ सच के बराबर होता है? क्या तुम भी ऐसा ही मानते हो? परंतु यदि कोई व्यक्ति दूसरे की भलाई का दिखावा करके झूठ बोलना अपनी आदत ही बना ले तो, उसके बारे में तुम क्या कहोगे?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 108)**

पाठ 8: हींगवाला

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण गद्यांशों का भाव समझाएँ। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से उनकी गली में आने वाले फेरीवालों के बारे में प्रश्न पूछें। जैसे कि वे क्या बेचते हैं? कैसे आवाज़ लगाते हैं? आदि।
- बच्चों को बताएँ कि वर्तमान समय में काबुल अफ़ग़ानिस्तान की राजधानी है।
- बच्चों से पूछें कि सावित्री के बच्चों की जगह यदि तुम होते तो खान के प्रति तुम्हारा व्यवहार कैसा होता?
- इस कहानी की ही तरह 'रवींद्रनाथ ठाकुर' की कहानी 'काबुलीवाला' है। बच्चों से उस कहानी के संबंध में चर्चा कीजिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 110)**

पाठ 9: कलिंग विजय

1. **अध्यापन संकेत:** नाटक को पढ़ाने से पहले सम्राट अशोक तथा कलिंग युद्ध के बारे में बताएँ। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को पाठ से मिलने वाली सीख दें। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों को बताएँ कि वर्तमान में कलिंग का नाम बदलकर ओडिशा हो गया है।
- बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में सम्राट अशोक ने अहम भूमिका निभाई। इस बारे में बताएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 112)**

पाठ 10: शमशाद बेगम

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ पढ़ाने से पहले बच्चों को शमशाद बेगम के बारे में संक्षेप में बताएँ। पाठ का मुखर वाचन करवाएँ। वाचन में उच्चारण संबंधी अशुद्धियों को दूर करते जाएँ। इससे बच्चों का उच्चारण शुद्ध हो पाएगा।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- जिन फ़िल्मों का नाम पाठ में आया है, उनके बारे में बताएँ।
- शमशाद बेगम के कुछ गीत सुनने के लिए बच्चों को कहें तथा उनसे पूछें कि उन्हें कौन-सा गीत अच्छा लगा।
- आजकल के गायक-गायिकाओं में उन्हें कौन पसंद हैं। बच्चों से जानें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 114)**

पाठ 11: एकाग्रता का महत्व

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से विभिन्न अंशों में पाठ का मुखर वाचन करवाएँ। फिर उन्हें कहें कि वे इस

पाठ को मन-ही-मन शांत भाव से पढ़ें। पाठ से मिलने वाली शिक्षा के बारे में बच्चों से प्रश्न करें एवं उनके मन में आने वाली शंकाओं का निराकरण करें। बच्चों के अंदर एकाग्रता तथा सकारात्मक सोच जैसे भाव विकसित करने का प्रयास करें। पाठ में दिए गए उदाहरणों के अलावा एकाग्रता के कुछ और उदाहरण दें जिससे बच्चे पाठ को सरलता से समझ पाएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- 'मन के मते न चालिए, मन के मते अनेक। जो मन पर असवार है, सो साधु कोई एक।' – इन पंक्तियों में छिपे भाव पर बच्चों से चर्चा करें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 115)**

पाठ 12: कागज़ करे पुकार

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 117)**

पाठ 13: सच्ची मित्रता

1. **अध्यापन संकेत:** लय के साथ पाठ का वाचन करें और बच्चों को अनुसरण करने को कहें। जो शब्द मानक हिंदी के नहीं हैं, उनका हिंदी पर्याय साथ-साथ बताते जाएँ। इस पाठ में निहित नीति-उपदेशों को वर्तमान संदर्भ में जोड़ते हुए कुछ उदाहरण दें। पुराने संदर्भ में राम-सुग्रीव तथा कृष्ण-सुदामा के उदाहरण दे सकते हैं।

देत लेत ..... गुन ऐहा।। – इन पंक्तियों द्वारा तुलसीदास जी कहते हैं कि सच्चा मित्र वह है जो अपने मित्र को कुछ देते या उससे कुछ लेते समय अपने मन में किसी प्रकार की दुविधा या शंका नहीं रखता। आवश्यकता पड़ने पर अपने सामर्थ्य के अनुसार सदैव अपने मित्र की सहायता करता है तथा उसके भले के बारे में ही सोचता है। वेदों में लिखा है तथा साधुजन भी कहते हैं कि सच्चे मित्र के गुणों की पहचान विपत्ति के समय ही होती है। जो विपत्ति में साथ दे, उसमें ही सच्चे मित्र के गुण होते हैं।

आगे कह ..... भलाई।। – तुलसीदास जी कहते हैं कि ऐसे मित्र जो तुम्हारे सम्मुख मधुर बने, तुमसे प्रेम दिखाएँ परंतु तुम्हारे पीठ पीछे तुम्हारी निंदा करें, तुम्हारा बुरा चाहें। ऐसे कुटिल विचार रखने वाले कभी मित्र नहीं हो सकते इसलिए ऐसे कुमित्रों का साथ तुरंत छोड़ देने में ही भलाई है।

सेवक सठ ..... तोरे।। – इन पंक्तियों में तुलसीदास जी कहते हैं कि मूर्ख सेवक, कंजूस राजा, दुश्चरित्र स्त्री तथा कपटी मित्र ये चारों जीवन में काँटों के समान होते हैं इसलिए जीवन में मित्र बनाते समय बहुत सोच-विचार करना चाहिए। सुग्रीव कह रहे हैं, हे! प्रभु राम! "आप मुझे अपने सखा के रूप में स्वीकार कर लें।"

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि उनके मित्र में कौन-कौन से गुण हैं? उनका कौन-सा गुण उन्हें अधिक प्रभावित करता है?
- क्या उनके मित्र ने मुसीबत के समय उनकी सहायता की है। बच्चों से जानें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 118)**

पाठ 14: अपराजिता

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से पाठ का अंशों में वाचन करवाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण बिंदुओं या अंशों का सरलीकरण करके समझाएँ।

   शारीरिक रूप से अक्षम साहसी बच्चों / व्यक्तियों के विषय में बच्चों को बतलाएँ कि वे अपने जीवन को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करते हैं।

   पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

   - पोलियो उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बच्चों से बातचीत करें।
   - किसी व्यक्ति की शारीरिक अक्षमता उसके लिए कब बाधा बन जाती है – जब वह स्वयं ही अपने को दूसरों से कम आँकने लगता है तब? या फिर तब, जब समाज उसे बढ़ने नहीं देता?

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 120)**

पाठ 15: होटल मार्स का रहस्य

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का कक्षा में वाचन करें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। आवश्यक पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें। बच्चों से एक-एक अनुच्छेद पढ़ने को कहें। बच्चों से वाचन कराते समय उनके उच्चारण पर ध्यान दें।

   पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

   - वीनू अगर पकड़ा जाता तो क्या होता? अगर वे वीनू की जगह होते तो क्या करते?
   - बच्चों को अंतरिक्ष से संबंधित जानकारी दें। बच्चों को बताएँ कि मंगल ग्रह पर जीवन होने के संकेत मिले हैं परंतु अभी ठोस साक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सके हैं।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 122)**

पाठ 16: गूँज उठी शहनाई

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ पढ़ाने से पहले बिस्मिल्ला खाँ के बारे में बच्चों को संक्षिप्त रूप से बताएँ। पाठ की पृष्ठभूमि तैयार करने के लिए कुछ अन्य मशहूर कलाकारों के बारे में बताएँ जैसे – सितारवादन – पंडित रविशंकर, बाँसुरीवादन – हरीप्रसाद चौरसिया।

   देश-प्रेम का कोई उदाहरण देकर समझाएँ। इसके बाद कक्षा में पाठ का आदर्श वाचन करें एवं बच्चों से भी करवाएँ। प्रश्न पूछकर बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

   पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

   - बच्चों से पूछें कि क्या उन्होंने कभी किसी शादी-विवाह अथवा समारोह में शहनाई की धुन को सुना है?
   - बच्चों को कौन-सा वाद्ययंत्र पसंद है? उससे संबंधित कुछ प्रश्न उनसे पूछें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 125)**

पाठ 17: शाप-मुक्ति

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से पाठ का एक-एक अनुच्छेद पढ़ने को कहें। उनके उच्चारण पर विशेष ध्यान दें। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों का भाव समझाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि उनके घर-परिवार या आस-पड़ोस में रहने वाले बुज़ुर्गों का व्यवहार कैसा है?
- बच्चों से जानें कि क्या बचपन में उन्होंने कोई ऐसी गलती की है जिसका पश्चात्ताप उन्हें कई दिनों तक रहा।
- उन्हें बताएँ कि पशु-पक्षियों तथा जानवरों के प्रति प्रेम भाव रखना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 127)**

पाठ 18: हाथ से हाथ मिलाओ

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 129)**

पाठ 19: वही मनुष्य है

1. **अध्यापन संकेत:** जोश से भरी इस कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों को अनुकरण करने को कहें। कठिन शब्दों का अर्थ बताते हुए कविता की पंक्तियों का सरलीकरण करें। बीच-बीच में महात्मा गांधी, मदर टेरेसा जैसे लोगों के उदाहरण दिए जा सकते हैं। कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम भी लिए जा सकते हैं।

   उसी उदार ..... के लिए मरे। – इन पंक्तियों में कवि मनुष्यता के गुणों का बखान कर रहे हैं। जो दूसरों के लिए जीता तथा मरता है उसी उदार व्यक्ति का नाम लोग युगों-युगों तक याद करते हैं। उसी के कारण वहाँ की धरती स्वयं को धन्य मानती है कि उसने वहाँ जन्म लिया। वह मृत्यु के बाद भी सजीव रूप में जन-जन में रहता है, उसी को यह समस्त संसार अपना आदर्श मानता है। जो इस विश्व को जोड़ने का कार्य करे, सभी पृथ्वीवासियों को एक आत्मा माने, वही मनुष्य है।

   चलो अभीष्ट ..... के लिए मरे। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि सृष्टि में एकरूपता लाने के लिए सभी लोगों को मिलकर एक दिशा, एक लक्ष्य बनाकर चलना होगा। फिर उसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अपना मार्ग प्रशस्त करना है। चाहे राह में कितनी ही बाधाएँ, परेशानियाँ क्यों न आएँ, उन्हें खुशी-खुशी ढकेलते हुए आगे बढ़ना चाहिए। इस लक्ष्यप्राप्ति में सभी साथ चलें। न तो किसी में मन-मुटाव हो, न भेदभाव एवं भिन्नता हो। सबका एक ही लक्ष्य हो मानवता की भलाई। इस प्रकार जो सभी के हित का सोचे, सभी का मार्ग प्रशस्त करे, वही मनुष्य है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि अच्छा होने के लिए हमारे अंदर किन गुणों का होना ज़रूरी है।
- उनसे कोई ऐसी घटना सुनें जब किसी की मदद करके उन्हें बहुत खुशी मिली हो।
- कविता से मिलने वाली सीख पर विशेष रूप से चर्चा करें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 129)**

पाठ 20: उपहार

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ पढ़ाने से पूर्व पाठ की रूपरेखा तैयार करें, जिससे बच्चों को पाठ समझने में आसानी हो। इसके बाद पाठ का आदर्श वाचन करें एवं बच्चों से भी करवाएँ। बच्चों के भीतर ईमानदारी एवं दूसरों की मदद करना जैसे गुणों को जाग्रत करने का प्रयत्न करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि क्या कभी उन्हें भी किसी की कोई वस्तु रास्ते में पड़ी मिली है। उन्होंने उस वस्तु का क्या किया। अपने पास रख ली या उसके वास्तविक मालिक को लौटा दी या फिर किसी ज़िम्मेदार इनसान को यह कहकर दे दी कि इसके मालिक तक पहुँचा दें।
- बच्चों से पूछें कि क्या कभी किसी अनजान व्यक्ति ने उन्हें कोई उपहार दिया है। तब उनकी उस इनसान के प्रति क्या प्रतिक्रिया रही।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 131)**

पाठ 21: अनुभव से सीख

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ की शुरुआत एन.आर.नारायण मूर्ति के जीवन परिचय से करें। बच्चों से भी नारायण मूर्ति के बारे में कुछ बताने को कहें। पूरे पाठ का पहले आदर्श वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। उसके बाद बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि वे जीवन में क्या बनना चाहते हैं?
- नारायण मूर्ति की ही तरह उन्हें किस व्यक्ति ने प्रभावित किया तथा कैसे। बच्चों से उनके अनुभव सुनें।
- क्या उन्हें भी कभी किसी गलतफ़हमी का शिकार होना पड़ा है?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 133)**

पाठ 22: भविष्य का भय

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ को एक बार स्वयं पढ़ें तथा उसके बाद बच्चों से मौन वाचन करवाएँ। बच्चों के द्वारा पाठ समाप्त करने पर उन्हें अपने विचार कक्षा में सुनाने को कहें। कठिन शब्दों के अर्थ तथा आवश्यक पंक्तियों की व्याख्या करें। 'शिक्षा का अधिकार' के बारे में बच्चों को बताएँ। बच्चों से पूछें –

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- क्या उन्होंने भी कभी अपनी बात मनवाने के लिए ज़िद की है?
- यदि उनके घर कोई काम करने आता है तो उनके साथ वे कैसा व्यवहार करते हैं?
- टुनी का तरीका सही था या गलत – इस बारे में बच्चों की राय जानें। उन्हें अपनी बात कहने का मौका दें।
- बच्चों को बताएँ कि चौदह साल से कम आयु के बच्चों से काम कराना कानूनन अपराध है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 135)**

पाठ 23: भारत-दर्शन

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें एवं पाठ को अलग-अलग अंशों में बाँटकर बच्चों से वाचन कराएँ। उनके उच्चारण को शुद्ध करें। वाचन के दौरान पाठ से संबंधित छोटे-छोटे प्रश्न बच्चों से पूछते रहें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें कि क्या वे किसी पर्वतीय स्थल या अपने शहर से दूर कहीं घूमने गए हैं। वहाँ उन्होंने क्या-क्या देखा? उनका अनुभव सुनें।
- पाठ में आए स्थानों के नाम बच्चों को मानचित्र में दिखाएँ। इससे उनके सामान्य ज्ञान की वृद्धि होगी।
- बच्चों को पर्यटन का महत्व बताएँ। भारत की संस्कृति एवं प्राकृतिक सुंदरता को जानने-समझने के लिए बच्चों को प्रेरित करें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 138)**

पाठ 24: भारत देश हमारा

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 139)**